मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–002

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

सी.बी.के.जी.-002 : कालगणना की विधियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

   (i) भारतीय कालमान के वैशिष्ट्य को उदाहरण सहित स्पष्ट कोजिए।

   (ii) पक्ष और ग्रहण के वैज्ञानिक आधारों को विस्तारपूर्वक लिखिए।

   (iii) भारतीय कालगणना की वेधशालाओं की ऐतिहासिकता का वर्णन कीजिए।

(iv) कालगणना की स्थूल इकाइयों का वर्णन कीजिए तथा उनकी आवश्यकता की पुष्टि कीजिए।

(v) मुहूर्त एवं करण की गणना-प्रक्रिया का वर्णन कोजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. भारतीय कालमान क जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए। 5

3. मूर्त तथा अमूर्त काल किसे कहते हैं ? 5

4. कालगणना में धर्म शब्द से क्या अभिप्राय है ? 5

5. कालमान में योग से क्या अभिप्राय है ? 5

6. अधिक या वृद्धि तिथि को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 5

7. भारतीय कालमान में दिनों का नामकरण किस आधार पर किया गया है ? 5

8. भारतीय मासों के आधार पर वैदिक तथा वर्तमान में प्रचलित ऋतुओं के नाम लिखिए। 5

9. भारतीय परम्परा में मास के नामकरण का कारण बताइए। 5